Roll No. ....
Signature of Invigilator ………………………

Paper Code
MD-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

M. A. Philosophy (Semester: Second)

Philosophy

सांख्य योग दर्शन – 2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ

(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "दुःखमेव सर्वं विवेकिनः" पतञ्जलि ऋषि के इस उद्‌घोष की भाष्यानुसार व्याख्या करके बतायें कि सब कुछ दुःख कैसे है?
2. हेय, हेय हेतु, हान व हानोपाय की प्रमाणपूर्वक विस्तृत व्याख्या करें।
3. यम नियमों में प्रतिष्ठित होने का फल क्या है? प्रमाण सहित दसों का वर्णन करें।
4. सांख्य दर्शन के अनुसार स्वस्थ कौन है? उस स्वास्थ्य में कौन-सी बाधाएं आती है तथा उसको दूर करने का उपाय क्या है?
5. सप्रसंग व्याख्या करें –
   मूलप्रकृतिरविकृतिर्महदाद्याः प्रकृतिविकृतयः सप्त ।
   षोडकस्तु विकारो न प्रकृतिर्न विकृतिः पुरुषः ।।

खण्ड–ब

(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. अविद्यादि पांचों क्लेशों का लक्षण बताते हुए सप्रमाण व्याख्या करें।
2. प्रतिपक्ष भावना से आप क्या समझते हैं?
3. सांख्य दर्शन के अनुसार प्रमाणपूर्वक इन्द्रियों के स्वरूप का वर्णन करें।
4. क्रिया योग क्या है? भाष्यानुसार व्याख्या करें।
5. सौक्ष्म्यात्तदनुपलब्धिर्नाऽभावात् कार्यतस्तदुपलब्धेः।
   महदादि तच्च कार्यं, प्रकृतिविरूपं, सरूपं च ।।
6. सांख्यानुसार मन और बुद्धि क स्वरूप का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।

खण्ड–स

(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पॉच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(5×1=05)**

1. सांख्यानुसार अहंकार के स्वरूप का निर्देश करें।

2. अष्टांग योग के आठ अंग कौन से हैं?

3. प्रमाणपूर्वक बतायें-सांख्यानुसार आत्मा के करण कितने प्रकार के होते हैं?

4. "ध्यानहेयास्तद्वृत्तयः" इस सूत्र का अर्थ लिखें।

5. किस साधन से ज्ञानदीप्ति प्राप्त होती है?

---------------x---------------